उत्तराखण्ड जैवविविधता बोर्ड
UTTARAKHAND BIODIVERSITY BOARD

UTTARAKHAND BIODIVERSITY BOARD

Quarterly Newsletter | SUMMER EDITION | April - June 2025

INSIDE THIS ISSUE

उत्तराखण्ड में जैव विविधता जागरूकता पहल: स्कूली बच्चों के माध्यम से संरक्षण का संदेश 01

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड: बाह्य सेवा कार्मिकों के सेवा विस्तार पर शासन स्तर पर बैठक 03

बोर्ड कार्यालय में उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की 24वीं बैठक सम्पन्न 04

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस-2025 का आयोजन 04

Uttarakhand Biodiversity Board organised World Environment Day 2025 in Dehardun 07

Board participated in a Seminar at Uttarakhand Space Application Centre (USAC) 11

Local Community & Uttarakhand Biodiversity Board Unite for Grand Yoga Day Celebration 2025 13

Representation in Conferences/ Lectures/Seminars/Workshops 16

उत्तराखण्ड में जैव विविधता जागरूकता पहल: स्कूली बच्चों के माध्यम से संरक्षण का संदेश

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड ने अप्रैल से जून माह के बीच देहरादून जिले के रायपुर ब्लॉक में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को जैव विविधता के महत्व और उसके संरक्षण की तत्काल आवश्यकता से परिचित कराना था। इस अभियान के तहत, रायपुर ब्लॉक के 16 विभिन्न स्कूलों में रचनात्मक प्रतियोगिताओं का एक सफल आयोजन किया गया, जिनमें निबंध लेखन, चित्रकला व लघु कथा लेखन आदि शामिल थे।

इस कार्यक्रम को विशेष रूप से इस प्रकार डिजाइन किया गया था ताकि स्कूली छात्रों को पर्यावरण संबंधी मुद्दों, विशेष रूप से जैव विविधता के संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके। इन प्रतियोगिताओं ने बच्चों को न केवल अपनी कलात्मक प्रतिभाओं और लेखन कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर दिया, बल्कि उन्हें प्रकृति के साथ अपने संबंधों और पर्यावरणीय चुनौतियों पर अपने विचारों को गहराई से व्यक्त करने के लिए एक मंच भी प्रदान किया।

निबंध लेखन के माध्यम से छात्रों ने जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं, जैसे पारिस्थितिक संतुलन, प्रजातियों का महत्व और मानव गतिविधियों का पर्यावरण

राजकीय प्राथमिक विद्यालय रायपुर-1 वि०ख०रायपुर देहरादून

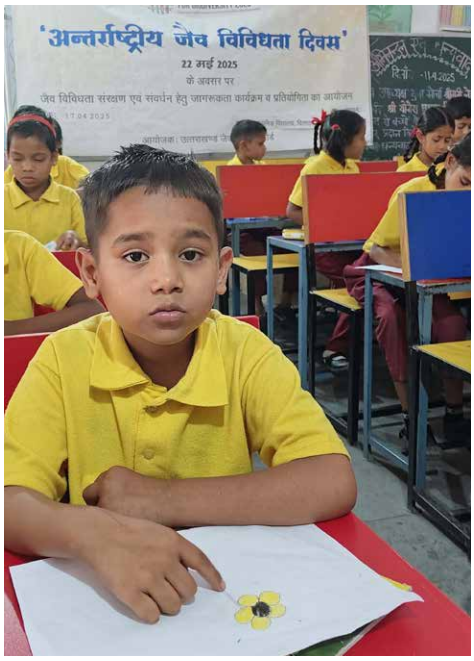

'अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस'
22 मई 2025
के अवसर पर
जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जागरूकता कार्यक्रम व प्रतियोगिता का आयोजन

पर प्रभाव, पर अपने ज्ञान और तार्किक सोच का प्रदर्शन किया। इसने उन्हें गंभीर रूप से सोचने और अपनी समझ को सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

चित्रकला प्रतियोगिता ने युवा कलाकारों को रंग और रेखाओं के माध्यम से अपनी कल्पना को उड़ान देने का अवसर दिया। बच्चों ने प्रकृति के लुभावने सौंदर्य, वन्यजीवों के महत्व, और प्लास्टिक कचरे के कारण होने वाले प्रदूषण जैसे विषयों को अपनी कलाकृतियों में उतारा। ये चित्र न केवल उनकी रचनात्मकता को दर्शाते है, बल्कि पर्यावरण के प्रति उनकी बढ़ती चिंता और प्रेम को भी उजागर करते है।

वहीं, लघु कथा लेखन ने छात्रों को अपनी कहानियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के संदेशों को बुनने की अनुमति दी। इन कहानियों में अक्सर प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने, स्थायी प्रथाओं को अपनाने और सामूहिक कार्रवाई के

माध्यम से पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने के नैतिक सबक शामिल थे।

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की यह पहल शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसका अंतिम लक्ष्य एक ऐसी भावी पीढ़ी का निर्माण करना है जो न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूक हो, बल्कि उसके संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से जिम्मेदार भी हो। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से, बोर्ड ने स्कूली बच्चों के दिलों और दिमाग में पर्यावरण प्रेम और संरक्षण के बीज बोए हैं, जो आने वाले समय में उत्तराखण्ड की समृद्ध जैव विविधता की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह कार्यक्रम एक स्थायी भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहाँ मनुष्य और प्रकृति सद्भाव में सह–अस्तित्व में रहें।

उत्तराखण्ड जैवविविधता बोर्ड: बाह्य सेवा कार्मिकों के सेवा विस्तार पर शासन स्तर पर बैठक

दिनांक 22.04.2025 को प्रमुख सचिव, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड में बाहय सेवा से कार्यरत कार्मिको की सेवा विस्तार के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया एवं बैठक में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बैठक का शुभारम्भ किया गया। इस बैठक में अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा राज्य बोर्ड में बाह्य सेवा के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों के सम्बन्ध में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया एवं विचार–विमर्श के उपरान्त निणर्य लिया गया कि :–

कार्यों के संचालन हेतु बोर्ड स्तर पर ही अग्रेतर कार्यवाही इस बार के लिए कर ली जाए एवं बोर्ड का यथोचित ढांचा तत्काल शासन को उपलब्ध कराया जाए। राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर पारित आदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अन्त में धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक का समापन किया गया।

बोर्ड कार्यालय में उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की 24वीं बैठक सम्पन्न

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की 24वीं बैठक डॉ. एस.पी. सुबुद्धि अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की अध्यक्षता में दिनांक 20 मई, 2025 को बोर्ड कार्यालय में सम्पन्न हुई।

बोर्ड में एजेण्डा के अनुसार विचार विमर्श कर निम्न निर्णय लिये गये।

- शासन को प्रेषित हर्बल मिशन परियोजना पर यह निर्णय लिया गया कि चूंकि इस परियोजना हेतु प्रस्तावित धनराशि इस वित्तीय वर्ष में अब तक शासन से प्राप्त नहीं हुई है इसलिए बोर्ड स्तर पर फिलहाल कोई कार्यवाही आपेक्षित नहीं है।
- बोर्ड में बाह्य स्रोत से कार्यरत कार्मिकों के सेवा विस्तार के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया कि कार्मिकों का सेवा विस्तार उपनल की शर्तों के अनुरूप दिनांक 31.03.2026 तक कर लिया जाए एवं सदस्य–सचिव को अनुबन्ध हेतु अधिकृत किया गया।
- भारत सरकार द्वारा जारी संशोधित /नवीन जैव विविधता नियमावली के अनुरूप उत्तराखण्ड जैव विविधता नियमावली 2015 के संशोधन के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया कि इस कार्य हेतु सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया जाए और बोर्ड की आगामी बैठक में नियमावली का ड्राफ्ट प्रस्तुत किया जाए।
- Knowledge Partnership MOU के सम्बन्ध में बोर्ड द्वारा सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गई साथ ही निर्णय लिया गया कि Biodiversity Conservation के लिए Knowledge Network स्थापित किये जाए तथा ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी के अतिरिक्त अन्य संस्थानों का भी चयन किया जाए ताकि MOU किया जा सके।
- Access and Benefit Sharing (ABS) की मानक प्रक्रिया के संबंध में एक समिति के गठन का निर्देश दिया गया। यह समिति भविष्य में ABS मद से जैव विविधता प्रबंध समिति (बी.एम.सी) के कार्यान्वयन, जैव विविधता संरक्षण तथा सामाजिक – आर्थिक स्तर में सुधार हेतु परियोजनाओं को स्वीकृत करने में सक्षम होगी।

अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन की किया गया।

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस-2025 का आयोजन

दिनांक 22.05.2025 को उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा होटल एकेता, राजपुर रोड, देहरादून में अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मंत्री श्री सुबोध उनियाल, वन, भाषा, निर्वाचन एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. धनंजय मोहन, प्रमुख वन संरक्षक (HoFF) उत्तराखण्ड, श्री समीर सिन्हा, पीसीसीएफ, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा थे।

कार्यक्रम की शुरूआत श्री नीतीश मणि त्रिपाठी, सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा की गई एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया गया और वर्ष 2024–25 में बोर्ड द्वारा किए गए जैव विविधता जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया गया एवं अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025 की थीम 'प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास' के महत्व के बारे में अवगत कराया गया।

इसके पश्चात् मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित पुस्तकों एवं फोल्डर का विमोचन किया गयाः–

'अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस'
22 मई 2025
के अवसर पर
मुख्य अतिथि

'अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस'
22 मई 2025

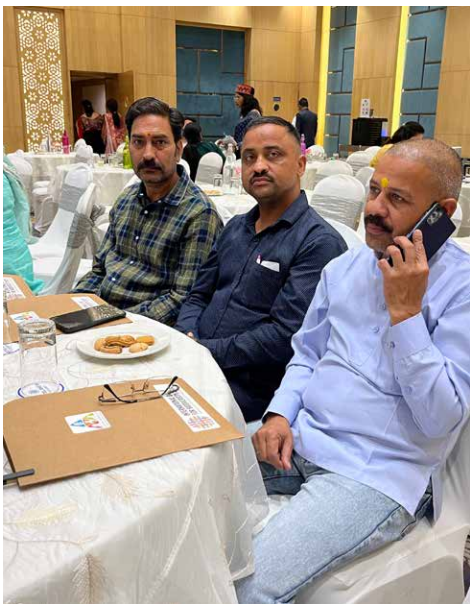

- उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट 2024–25
- जैव विविधता जागरूकता पुस्तिका 2024–25
- बाराहनाजा फोल्डर (उत्तराखण्ड की एक पारंपरिक और टिकाऊ कृषि प्रणाली पर आधारित)

इसके बाद बोर्ड द्वारा देहरादून के 120 से अधिक स्कूलों में आयोजित चित्रकला, लघु कथा और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को माननीय वन मंत्री, श्री सुबोध उनियाल द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए, तत्पश्चात् उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड देहरादून और तितली ट्रस्ट के सहयोग से निर्मित लघु फिल्म 'Birds of Rathuadhab: The Whisper of Wings' का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में श्री एस.पी. सुबुद्धि, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून और डॉ. नरपिंदर सिंह, कुलपति, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून के मध्य Knowledge Partnership अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए गए।

तदुपरान्त श्री एस.पी. सुबुद्धि, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून ने अपने संबोधन में बाराहनाजा सम्बन्धी पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण, पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने और जैव विविधता संरक्षण में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया जिससे भविष्य में स्थानीय जैव विविधता को संरक्षित किया जा सके।

श्री समीर सिन्हा, पीसीसीएफ, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा ने अपने सम्बोधन में कहा कि जैव विविधता के संरक्षण के लिए सामूहिक सहयोग महत्वपूर्ण है और लोगों की आजीविका को बढाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किये जाने चाहिए ताकि ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ जैव विविधता संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

डॉ. धनंजय मोहन, प्रमुख वन संरक्षक (HoFF) उत्तराखण्ड ने अपने सम्बोधन में जीवन शैली में सुधार, प्रकृति के साथ जुड़ाव और सतत विकास की प्राप्ति पर विशेष रूप से जोर दिया। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि राज्य के प्रत्येक विभाग की योजनाओं को प्रकृति–आधारित बनाया जाए, और जैव विविधता ह्रास को रोकने के लिए विभागों को समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

माननीय मंत्री, श्री सुबोध उनियाल जी ने जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'चिपको आंदोलन' की तर्ज पर जन जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया और उपस्थित बच्चों को भविष्य में भी इस महत्वपूर्ण पहल से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

Uttarakhand Biodiversity Board organized World Environment Day 2025 in Dehardun

The Uttarakhand Biodiversity Board (UBB) organized a series of activities to mark World Environment Day 2025. Focusing on the theme "Ending Plastic Pollution Globally" and incorporating Mission LiFE Action Points. The event, held from June 3rd to 5th, 2025. These initiatives took place in the Biodiversity Management Committee Level at Tapkeshwar Mahadev Mandir, Rikholi Gram Panchayat (Santala Devi), Vilaspur Kandali, Ghanghora, Block - Sahaspur, Timliman Singh & Shera Gaon, Block - Raipur, in Dehradun district, along with local village residents and volunteers.

Activities Conducted

1. Action under Mission LiFE theme of "Say No to Single Use Plastic"

The Mission LiFE (Lifestyle for Environment) theme of "Say No to Single-Use Plastic" is a significant nationwide campaign in India, aimed at encouraging citizens to adopt eco-friendly habits and drastically reduce plastic waste. This initiative is a core part of India's commitment to environmental protection and sustainable development, aligning with global efforts to combat plastic pollution.

Objectives and Thrust Areas

- **Awareness and Advocacy:** Educating tourists & the local public about the severe environmental and health hazards of plastic pollution, particularly single-use plastics. This involves widespread campaigns, public pledges, and community outreach.
- **Reduced Use and Generation:** The Board Promote a conscious reduction in the consumption and production of plastic waste, with a strong focus on eliminating single-use plastics.
- **Effective Waste Management:** Board staff communicates with tourists, Hotel staff, Shopkeeper and local people to encouraging and facilitating proper segregation, collection, disposal, and recycling of plastic waste, including single-use plastics. This involves government institutions to take responsibility and initiatives with local people.
- **Promotion of Sustainable Alternatives:** Driving the development and adoption of eco-friendly alternatives to single-use plastics. This includes encouraging the use of cloth bags, reusable bottles, non-plastic cutlery, and other sustainable materials.

Key Actions and Initiatives:

Behavioral Change Campaigns:

- **"One Nation, One Mission: End Plastic Pollution":** A mass mobilization campaign urging a shift from awareness to collective action.
- **Public Pledges and Campaigns:** Encouraging individuals, Shopkeepers, and Hotels staff to take pledges against single-use plastic and actively participate in anti-plastic drives.
- **Community Education:** Engaging various segments of society, including Biodiversity Management Committee (BMC) members, local village people

पर्यावरण की रक्षा,
मानव की सुरक्षा
प्रकृति का संरक्षण,
जीवन का संरक्षण।

Meri LiFE
विश्व पर्यावरण दिवस 2025
के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम
दिनाँक 22 मई से 05 जून 2025

Meri LiFE
प्रकृति का संरक्षण,
जीवन का संरक्षण।

to spread awareness at the grassroots level.

- **Educational Activities:** Conducting workshops, awareness program in schools to instill eco-conscious practices from a young age.

2. Tree Plantation Drive

The Uttarakhand State Biodiversity Board successfully organized a comprehensive plantation campaign as a key highlight of its recent World Environment Day celebrations. This vital initiative was strategically conducted across multiple significant locations within Dehradun, specifically in 11 GRRC Junior High School, Ganghora Gram, and Vilaspur Kandali in Sahaspur block. The primary objective of this drive was to substantially enhance the region's green cover and contribute directly to ongoing land restoration efforts, aligning with broader environmental sustainability goals.

The campaign garnered strong community engagement, with a total of 48 dedicated participants actively involved in the planting activities. This collaborative effort included staff from the Uttarakhand Biodiversity Board (UBB), along with enthusiastic local village residents and volunteers, particularly those associated with

the Vilaspur Kandali Biodiversity Management Committee (BMC). Their collective participation underscored a strong community commitment to environmental preservation and highlighted the importance of collaborative action in achieving ecological balance.

Plantation Details:

A variety of native tree species were meticulously chosen for planting to ensure ecological balance and support local biodiversity. A total of 20 plants were selected for this plantation drive, encompassing various fruit-bearing and other beneficial trees such as Amla (*Emblica officinalis*), Bamboo (*Bambusa vulgaris*), Sheesham (*Dalbergia sissoo*), Arjun (*Terminalia arjuna*), Guava (*Psidium guajava*), Jamun (*Syzygium cumini*), Harad (*Terminalia chebula*), Pilkhan (*Ficus virens*), Peepal (*Ficus religiosa*), and Kachnar (*Bauhinia variegata*). Additionally, Bamboo (*Bambusa vulgaris*) saplings specifically for land restoration efforts were collected from the Forest Nursery and planted during the three-day event.

3. Cleaning drive in Tourist Places

As a crucial component of the environmental efforts, a dedicated clean-up drive was organized for the local river, emphasizing water conservation and quality improvement. This activity focused on systematically removing accumulated debris, plastic waste, and various other pollutants that had affected the canal. The clean-up operation was concentrated in the area encompassing Tapkeshwar Mahadev Mandir, Rikholi Gram Panchayat (Santala Devi), Block – Sahaspur, Timliman Singh & Shera Gaon, Block - Raipur, Dehradun. The initiative was expertly led by UBB staff, who received invaluable support from engaged local volunteers. To facilitate the clean-up and ensure participant well-being, all necessary equipment, including gloves, trash bags, and rakes, was supplied, and comprehensive safety protocols were strictly observed to mitigate any potential risks to volunteers.

Integration with Mission Meri LiFE

The World Environment Day celebrations were strongly integrated

with Mission Meri LiFE (Lifestyle for Environment), a movement dedicated to fostering sustainable practices and behavioral shifts for environmental protection. Key activities specifically emphasized:

- **Combating Single-Use Plastic:** Promoting the reduction and elimination of single-use plastics through awareness campaigns, advocacy for alternatives, and encouraging the adoption of reusable items.
- **Promoting Greenery:** Engaging in extensive tree plantation drives and advocating for urban greening initiatives to enhance biodiversity and combat climate change.

Conclusion:

The World Environment Day celebrations in Dehradun, organized by the UBB, marked a significant step toward promoting environmental conservation and sustainable practices. Aligned with the theme "Ending Plastic Pollution Globally" and the principles of Mission Meri LiFE, the event featured impactful activities such as tree plantation, cleanliness drives. The success of these initiatives was largely due to the active participation of the community and the collaborative efforts of various stakeholders. Continued efforts and sustained community engagement will be crucial in building on this progress.

Board participated in a Seminar at Uttarakhand Space Application Centre (USAC)

The Uttarakhand Biodiversity Board recently participated in a pivotal one-day seminar at the Uttarakhand Space Application Centre (USAC) Auditorium on Saturday, June 21, 2025. This event served as a crucial precursor to the state-level "State Space Meet," which will focus on "*Leveraging Space Technology for Viksit Bharat 2047: Insights from the Himalayan Sates*," with the overarching goal of fostering sustainable development across the region.

The primary objective of this meeting was to facilitate dialogue among central and state line departments, ministries, and organizations, aiming to document the current and future integration of space technology and its applications within their ongoing projects and prospective plans. This preparatory gathering also sought to evaluate the efficacy of the proposed State Space Meet and initiate pre-meet discussions with all participating line departments.

In collaboration with the Indian Space Research Organization (ISRO), and USAC the seminar was specifically designed to lay the groundwork for the "Space Technology and its Applications for Developed India 2047: A Case Study of Himalayan States" workshop, slated for the first week of July. Through structured,

department-specific discussions, the seminar successfully identified and documented existing applications and future requirements for leveraging space technology across various state departments. The action plans formulated during this Space Meet will help develop Uttarakhand's roadmap for its participation in the proposed national workshop in August.

The seminar had robust participation, with 40 delegates from 21 state line departments attending. These included key officials, scientists and engineers from a diverse range of sectors such as Forest, Irrigation, Water Corporation, Soil, Animal Husbandry, Disaster Management, Education, Health, Pollution Control Board, Energy, Agriculture, Horticulture, Sericulture, the Uttarakhand Biodiversity Board, Public Works Department, Revenue, and Rural Development.

Professor Durgesh Pant, Director of USAC, addressed the participants, underscoring the imperative of developing a comprehensive vision document for the forthcoming Space Meet. He detailed the categorization of all state line departments into eight core themes: Agriculture, Environment & Energy, Infrastructure Development, Water Resources, Education & Health, Disaster Management, Development Planning, Technology Dissemination, and Communication & Navigation. Within these frameworks, departments are tasked with outlining their current and future projects that harness space technology. Professor Pant emphasized the critical significance of space technology for Himalayan states, given their geological sensitivity and susceptibility to frequent disasters. He highlighted the continuous utilization of high-resolution satellite data for monitoring disaster-affected and prone areas, along with the extensive application of space technology in fields such as environmental monitoring, natural resource management, and infrastructure development and planning.

The seminar also featured insightful presentations from leading experts. Dr. Abhinav Shukla, a scientist from the Regional Remote Sensing Centre-North (ISRO), provided detailed information regarding the upcoming National State Meet. Following this, Dr. Praveen Thakur, a senior scientist from the Indian Institute of Remote Sensing, delivered an elaborate presentation on Indian space missions and the diverse applications of space technology.

The meeting concluded with a vote of thanks, expressing gratitude to all the participants for their valuable contributions, active engagement, and constructive discussions. The chairperson appreciated the efforts of everyone involved in organizing the meeting and emphasized the importance of continued collaboration in future endeavors.

Local Community & Uttarakhand Biodiversity Board Unite for Grand Yoga Day Celebration 2025

On June 21, 2025, the Uttarakhand Biodiversity Board & Local Community in Dehradun successfully organized a grand yoga program at Rishi Vihar Park to commemorate International Yoga Day. The event was held under the theme "*Yoga for One Earth, One Health*," aiming to raise public awareness about yoga, promote the adoption of healthy lifestyles, and foster a harmonious relationship with nature.

The event was graced by the honorable MLA from Dharampur Vidhan Sabha, Shri Vinod Chamoli, who served as the chief guest. In his address, Shri Chamoli emphasized the multifaceted benefits of yoga and its growing global importance. He underscored that yoga transcends mere physical exercise, serving as a powerful tool for achieving both mental and spiritual equilibrium.

The yoga session was expertly led by renowned yoga instructor Smt. Geeta Bagri, under her guidance, participants enthusiastically practiced a range of fundamental and impactful yoga postures, including Pranayama (breathing exercises), Surya Namaskar (Sun Salutations), Tadasana (Mountain Pose), Trikonasana (Triangle Pose), and Bhujangasana (Cobra Pose).

The program witnessed broad community participation, with attendees spanning various age groups and backgrounds. This diverse gathering included local citizens, school children, senior citizens, dedicated environmental activists, and staff members of the Biodiversity Board, all uniting to celebrate the essence of yoga.

Benefits of Yoga as Highlighted in the Event:

The program effectively showcased the numerous advantages of incorporating yoga into daily life, resonating with the broader goals of holistic well-being and environmental consciousness:

- **Holistic Health:** As emphasized by MLA Shri Vinod Chamoli, yoga is not just about physical exertion. It is a comprehensive system that promotes physical, mental,

तर्राष्ट्रीय
दिवस

and spiritual balance, crucial for overall well-being.

- **Physical Fitness and Flexibility:** The practice of various asanas like Surya Namaskar, Tadasana, Trikonasana, and Bhujangasana directly contributes to improved flexibility, strength, and overall physical fitness.
- **Mental Clarity and Stress Reduction:** Pranayama, or controlled breathing techniques, is a key component of yoga that helps in calming the mind, reducing stress, and enhancing mental clarity.
- **Harmony with Nature:** A core objective of the program was to encourage living in harmony with nature. Yoga, with its emphasis on mindfulness and connection to oneself, often fosters a deeper appreciation for the environment.
- **Encourages Healthy Lifestyle:** By raising awareness and inspiring participation, the event directly promoted the adoption of a healthier lifestyle, which extends beyond physical activity to include mindful living.
- **Community Engagement and Well-being:** The diverse participation from all age groups and sections of society demonstrated yoga's ability to bring communities together for a common goal of health and well-being.
- **Global Significance:** The celebration of International Yoga Day itself underscores the global recognition of yoga's benefits for humanity.

In essence, this event by the Uttarakhand Biodiversity Board served as a powerful platform, not only for celebrating International Yoga Day but also for effectively communicating the profound benefits of yoga in fostering personal health, mental peace, and a harmonious relationship with the natural world. The Board's efforts in this regard were highly commendable.

Conferences/Lectures/Seminars/Workshops

A training program for the Mid-Career Training (MCT) Phase-IV (17) Course for Indian Forest Service (IFS) Officers was conducted at the Indira Gandhi National Forest Academy (IGNFA), Dehradun from April 14, 2025, to May 2, 2025. Shri Nitish Mani Tripathi, Member Secretary, Uttarakhand Biodiversity Board, participated in the program. In view of the ongoing 2025 forest fire season, five Indian Forest Service (IFS) officers have been nominated to participate in the training program, likely to enhance their skills for this critical period.

The Assistant Inspector General of Forests, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India, organized a training program on the "*Preparation of Ecosystem Health Card*" at the Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, Assam from May 26 to May 28, 2025. Shri Nitish Mani Tripathi, Member Secretary of the Uttarakhand Biodiversity Board, participated in this program.

On May 26, 2025, the Dr. R.S. Tolia Uttarakhand Administrative Academy in Nainital hosted a professional training workshop for the 2024 batch of Uttarakhand cadre IAS trainee officers. The workshop aimed to educate them on the state's unique environmental and administrative challenges.

A key part of this training was an insightful lecture delivered by Shri Nitish Mani Tripathi, Member Secretary of the Uttarakhand Biodiversity Board, on June 17, 2025. He focused on crucial environmental issues, specifically addressing "*Emerging challenges and Opportunities in the areas of Wildlife fires, Mining activities, Environmental clearances and Human-animal conflict*," which are vital for officers in ecologically sensitive areas like Uttarakhand.

Shri Tripathi emphasized the importance of sustainable development, effective disaster management, and proactive policy implementation to combat environmental degradation. He also highlighted the administrative officers' role in balancing ecological conservation with developmental needs, encouraging the trainees to adopt a holistic perspective in their future roles. The session was highly interactive, with enthusiastic participation from the trainee officers.

Guidance

Shri R.K. Sudhanshu, IAS, Principal Secretary,
Forest, Environment Protection & Climate Change

Direction

Dr. S.P. Subudhi, IFS, Chairperson

Shri Nitish Mani Tripathi, IFS, Member Secretary

Designed & Published by Uttarakhand Biodiversity Board, Dehradun

Photo credits: Uttarakhand Biodiversity Board

उत्तराखण्ड जैवविविधता बोर्ड
UTTARAKHAND BIODIVERSITY BOARD

UTTARAKHAND BIODIVERSITY BOARD
423, Indira Nagar Colony, Dehradun-248006
Contact no.: 91-135-2769886 ✸ Email: sbboard-uk@gov.in ✸ Website: www.sbb.uk.gov.in